डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि में 'कोर्स फोल्डर' व्यवस्था लागू

किस दिन क्या पढ़ाएंगे... अब पहले से बताएंगे

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में अब शिक्षक किस दिन क्लास में क्या पढ़ाएंगे, यह छात्रों को पहले से पता होगा। इसके लिए विवि प्रशासन ने चिकित्सा संस्थानों की तरह 'कोर्स फोल्डर' व्यवस्था लागू की है। इसमें पूरे सिलेबस के टॉपिक के हिसाब से अलग-अलग कक्षाओं का पूरा शेड्यूल जारी किया गया है।

विवि के डीन अकैडमिक्स प्रो. वीके सिंह ने बताया कि रैंडम लेक्चर में छात्रों को यह पता नहीं होता कि उन्हें किस क्लास में क्या पढ़ाया जाएगा। इस कारण वे उस टॉपिक पर पहले से रिसर्च नहीं कर पाते और सवाल भी बाद में तैयार कर पाते हैं। अब छात्रों को पहले से टॉपिक का पता होगा तो वे संबंधित विषय से जुड़े पहले से तैयार कर सकेंगे। कोई क्लास छूटने पर भी पता चल जाएगा कि कौन सा टॉपिक छूट गया है। छात्र ऐसे टॉपिक अपने स्तर से तैयार कर सकेंगे। इसके अलावा शिक्षक किसी दिन छुट्टी पर या बीमार होते हैं तो उनकी जगह क्लास लेने वाले दूसरे शिक्षक को भी पता होगा कि क्या पढ़ाना है।

प्रो. वीके सिंह ने बताया कि 80 फीसदी शिक्षकों ने क्लासवार शेड्यूल दे दिया है। इसे अब समर्थ पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा।

विश्व डिस्लेक्सिया दिवस की पूर्व संध्या पर लगेगी प्रदर्शनी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▶▶ प्रदर्शनी का थीम ह्वाट इज योर स्टोरी रखा गया

अमृत विचार : डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा संकाय द्वारा विश्व डिस्लेक्सिया दिवस की पूर्व संध्या पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का थीम ह्वाट इज योर स्टोरी रखा गया। प्रदर्शनी की संयोजक बौद्धिक अक्षमता विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जे. कल्याणी रही। प्रदर्शनी का उद्देश्य डिस्लेक्सिया के प्रति जागरुकता फैलाना और इस स्थिति से प्रभावित बच्चों के शैक्षिक व मानसिक सहयोग पर लोगों को जागरूक करना है।

प्रदर्शनी में शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों ने भाग लिया। इसमें डिस्लेक्सिया की स्थिति के लक्षण, कारण और प्रबंधन पर जानकारी प्रदान की गई। विभिन्न विजुअल डिस्प्ले और शैक्षिक सामग्री के माध्यम से डिस्लेक्सिया से निपटने के नए तरीकों पर चर्चा की गई। डॉ. जे. कल्याणी ने बताया कि डिस्लैक्सिया के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए ऐसे आयोजनों की बहुत आवश्यकता है।

इस अवसर पर उपस्थित विशेषज्ञों ने कहा कि डिस्लेक्सिया से प्रभावित बच्चों के लिए समाज में समावेशी शिक्षा का वातावरण बनाना अति आवश्यक है। कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में प्रोफेसर डॉ. अनामिका चौधरी, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनीता शर्मा रहीं। कार्यक्रम में डॉ.संजय कुमार, डॉ. महेश कुमार, विभा तिवारी, विकास कुशवाहा, नीलम सिंह, दानवीर गौतम, चयनिका द्विवेदी व नेहा सिंह यादव उपस्थित रहे।

शिवभान सिंह शामिल रहे।

विश्व डिस्लेक्सिया दिवस की पूर्व संध्या पर विशेष प्रदर्शनी

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा संकाय द्वारा विश्व डिस्लेक्सिया दिवस की पूर्व संध्या पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का थीम 'व्हाट इज योर स्टोरी है' पर है। इसमें डिस्लेक्सिया से संबंधित विभिन्न पहलुओं को रेखांकित करते हुएए इस स्थिति के लक्षण, कारण और प्रबंधन पर जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों ने इस अवसर पर डिस्लेक्सिया के प्रभाव और इसके साथ जुड़े छात्रों की शैक्षिक चुनौतियों को समझने का अवसर प्राप्त किया। विभिन्न विजुअल डिस्प्ले और शैक्षिक सामग्री के माध्यम से डिस्लेक्सिया से निपटने के नए तरीकों पर चर्चा की गई। इस आयोजन की संयोजक डॉ. जे.कल्याणी, असिस्टेंट प्रोफेसर, बौद्धिक अक्षमता विभाग ने बताया कि डिस्लेक्सिया के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए ऐसे आयोजनों की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि विशेष शिक्षा के क्षेत्र में डिस्लेक्सिया जैसी स्थितियों को सही दिशा में मार्गदर्शन देने से बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा में शामिल किया जा सकता है और उनके भविष्य को उज्जवल बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य डिस्लेक्सिया के प्रति जागरूकता फैलाना और इस स्थिति से प्रभावित बच्चों के शैक्षिक व मानसिक समर्थन की आवश्यकता पर प्रकाश डालना था। प्रदर्शनी में कई शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की न्यायाधीश मंडल में विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डा अनामिका चौधरी, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग एवं डा सुनीता शर्मा, असि प्रोफेसर फाईन आर्ट विभाग डा शकुन्तला मिश्र राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ रही।

दिमाग में ऑक्सीजन की कमी से होने वाली बीमारी है पॉल्सी

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र की ओर से विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस पर सेरेब्रल पाल्सी विकार, उपचार और पुनर्वास पर राष्ट्रीय वेबिनार हुआ। मुख्य वक्ता एसवीएनआईआरटीआर ओडिसा के पूर्व निदेशक डॉ. शक्ति प्रसाद दास ने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी को दिमागी विकार कह सकते है। यह जन्म के समय या जन्म के दो साल बाद दिमाग में आक्सीजन की कमी से होने वाली बीमारी है। एसवीएनआईआरटीआर ओडिसा के पूर्व व्याख्याता निरंजन ओझा ने कई प्रकार की थेरेपी व ऑर्थोसिस (सहायक उपकरण) की मदद से सीपी के मरीजों को तत्काल स्वास्थ्य लाभ मिलने से संबंधित जानकारी दी। इस दौरान कुलपति प्रो. संजय सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह, पैरामेडिकल एवं रिहैबिलीटेशन साइन्सेज संकाय के अधिष्ठाता प्रो. वीके सिंह, कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र के कार्यशाला प्रबंधक डॉ. रणजीत कुमार, सहायक आचार्य स्थिर प्रंजयन बिसवाल आदि मौजूद रहे।

दिमाग में ऑक्सीजन की कमी से सेरेब्रल पाल्सी

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र की ओर से विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस पर सेरेब्रल पाल्सी विकार, उपचार और पुनर्वास पर राष्ट्रीय वेबिनार हुआ। डॉ. शक्ति प्रसाद दास ने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी को दिमागी विकार कह सकते है। यह जन्म के समय या जन्म के दो साल बाद दिमाग में आक्सीजन की कमी से होने वाली बीमारी है।

डिस्लेक्सिया प्रभावित बच्चों को समावेशी शिक्षा जरूरी

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा संकाय की ओर से विश्व डिस्लेक्सिया दिवस से पूर्व वॉट इज योर स्टोरी थीम पर विशेष प्रदर्शनी कार्यक्रम हुआ। संयोजक बौद्धिक अक्षमता विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जे कल्याणी ने बताया कि डिस्लेक्सिया प्रभावित बच्चों के शैक्षिक व मानसिक समर्थन पर चर्चा हुई। उनके लिए समावेशी शिक्षा को जरूरी बताया।

बीए एसएलपी कोर्स की दूसरी मेरिट जारी

डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने बैचलर इन आडियोलाजी एंड स्पीच लैंग्वेज पैथेलाजी (बीए एसएलपी) कोर्स में खाली सीटों के सापेक्ष दूसरी मेरिट सूची शनिवार को जारी कर दी. चयनित अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग के लिए सात अक्टूबर को संबंधित विभाग में सुबह 10 से 11 बजे के बीच रिपोर्ट करनी होगी.

वीके सिंह, डा. रणजीत कुमार, स्थिर प्रंजयन विस्वास आदि ने अपने विचार रखे।

शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विवि में लगी प्रदर्शनी

लखनऊ। डा. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि के तत्वावधान में विश्व डिस्लेक्सिया दिवस की पूर्व संध्या पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन विवि परिसर में किया गया। इस आयोजन की संयोजक डां. जे कल्याणी के निर्देशन में प्रदर्शनी के उद्देश्य डिस्लेक्सिया के प्रति जागरुकता फैलाना और इस स्थित से प्रभावित बच्चों के शैक्षिक व मानसिक समर्थन की आवश्यकता पर प्रकाश डालना है। कार्यक्रम की संयोजक डा. जे कल्याणी ने कहा कि आज डिस्लेक्सिया के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए ऐसे आयोजनों की बहुत आवश्यकता है।